नायक की तरह बीता नाइक का एक वर्ष

उच्च शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए कसा शिकंजा

आशीष श्रीवास्तव

लखनऊ। लखनऊ। एक वर्ष पूर्व

महाराष्ट्र से यूपी आये राज्यपाल रामनाइक का कार्यकाल कब बीता पता ही नहीं चला। महामहिम के पद विराजमान श्री नाइक ने पूरे वर्ष सपा सरकार पर दबाव बना कर सरकार को न सिर्फ सीमा बताया बल्कि आमजनों के लिए राजभवन का दरवाजा खोल कर पूरे प्रदेश में साल पर चलकर सक्रिय बने रहे। श्री नाइक ने उच्च शिक्षा पर शिकंजा कसा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्षो से बिगड़ ढर्रे को लाइन पर ला कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह,परीक्षा और परीक्षा फल को समय लाना सुनिश्चित कराया। यही नहीं पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी से कबीना मंत्री आजम खां ने जिस हाशियारी से अल्पसंख्यक मौलाना जौहर अली विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय की मान्यता के साथ खुद को आजलवन कुलपति रहने का प्रावधान कराया था। इस घटना से चौकन्ने नाइक ने प्रदेश सरकार के प्रस्ताव अल्पसंख्यक आयोग के अध्यख को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिये जाने के उत्तर प्रदेश कैबिनेट द्वारा प्रस्तावित कर भेजे गये अध्यादेश को सुप्रीम कोर्ट को हवाला देकर गैर संवैधानिक बता कर वापस कर दिया। लुकायुक्त आर.एन मल्होत्रा के द्वारा बसपा सरकार में भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पाये गये बसपाई मंत्रियों व नौकरशाहो पर आये फैसलों पर अखिलेश सरकार द्वारा अमल न किये जाने से कटघरे में खड़ा कर दिया। बार-बार सेवा विस्तार कर सेवानिवृत्त हो चुके लोकायुक्त आर.एन.मल्होत्रा की जगह नया लोकायुक्त न नियुक्त किये जाने के सवाल पर भी सरकार को बैकफुट पर धकेला। हाल में ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों से उपलब्धि प्राप्त लोगो को विधान परिषद के सरकार द्वारारा भेजी सूची को वापस कर सरकार फजीहत की। अभी भी नौ में मात्र चार नाम ही हो पाये है। इसकश बाद भी उत्तर प्रदेश सरकार के रिश्तो को लेकर रामनाइक कहते है कि मुख्यमंत्री से मेरा मधुर सम्बध है। राजनीति के धुरन्धर पहलवान मुलायम सिंह यादव के चरखे में फंस कर कम्युनिष्ट,जनता दल,राष्ट्रीय लोकदल तथा कांग्रेस प्रदेश की राजनीति में हाशिए पर चले गये लेकिन गर्वनर नाइक से सामने अभी तक कोई दावं ऐसा नहीं लगा जिससे यह संदेश गया हो कि नेता जी भारी है।